समिलीपाल राष्ट्रीय उद्यान

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

ओडिशा सरकार ने हाल ही में **समिलीपाल टाइगर रिज़र्व** को राज्य का दूसरा राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया है, जिससे यह भारत का 107वाँ **राष्ट्रीय उद्यान** बन गया है।

- **महत्त्व:** अब इसके अधिसूचित क्षेत्र (845.70 वर्ग किमी) में किसी भी मानवीय गतिविधि की अनुमति नहीं होगी।
  - शेष 2,750 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र **वन्यजीव अभयारण्य** होगा (सीमित मानवीय गतिविधियों की अनुमति)।
  - **ग्रेटर समिलीपाल लैंडस्केप कार्यक्रम** का उद्देश्य नव-नामित राष्ट्रीय उद्यान और इसके निकटवर्ती पारिस्थितिक गलियारों को संरक्षित करना है।

परिचय:

- ओडिशा के मयूरभंज ज़िले में स्थित समिलीपाल, **वन्य मेलेनिस्टिक बाघों** का विश्व का एकमात्र उद्यान है, जिसमें 40 रॉयल बंगाल टाइगर, ओडिशा के 25% हाथी और 104 आर्किड प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से अनेक इस क्षेत्र के लिये स्थानिक हैं।
  - यह **दक्कन प्रायद्वीपीय जैवभौगोलिक क्षेत्र**, छोटानागपुर प्रांत और महानदी क्षेत्र के अंतर्गत आता है।
  - यह अपने **मनमोहक जलप्रपातों** के लिये जाना जाता है, जिनमें **बरेहीपानी और जोरंडा** शामिल हैं।
  - यह उद्यान ऊँचे पठारों और पहाड़ियों से घिरा हुआ है, इसकी सबसे ऊँची चोटी **खैरीबुरू और मेघाशिनी** की जुड़वाँ चोटियाँ हैं।
- समिलिपाल के वन **साल वृक्षों**, **नम पर्णपाती और अर्द्ध-सदाबहार वृक्षों का मिश्रण** हैं, जो वनस्पतियों, जीव-जंतुओं और वन-निर्भर समुदायों के लिये एक जटिल और समृद्ध आवास का निर्माण करते हैं।
  - यहाँ पाई जाने वाली प्रमुख **खुरधारी (Ungulate) प्रजातियाँ** हैं: सांभर (*Rusa unicolor*), चीतल (*Axis axis*), बार्किंग डियर (*Muntiacus vaginalis*), गौर (*Bos gaurus*) और माउस हिरण (*Moschiola indica*)।

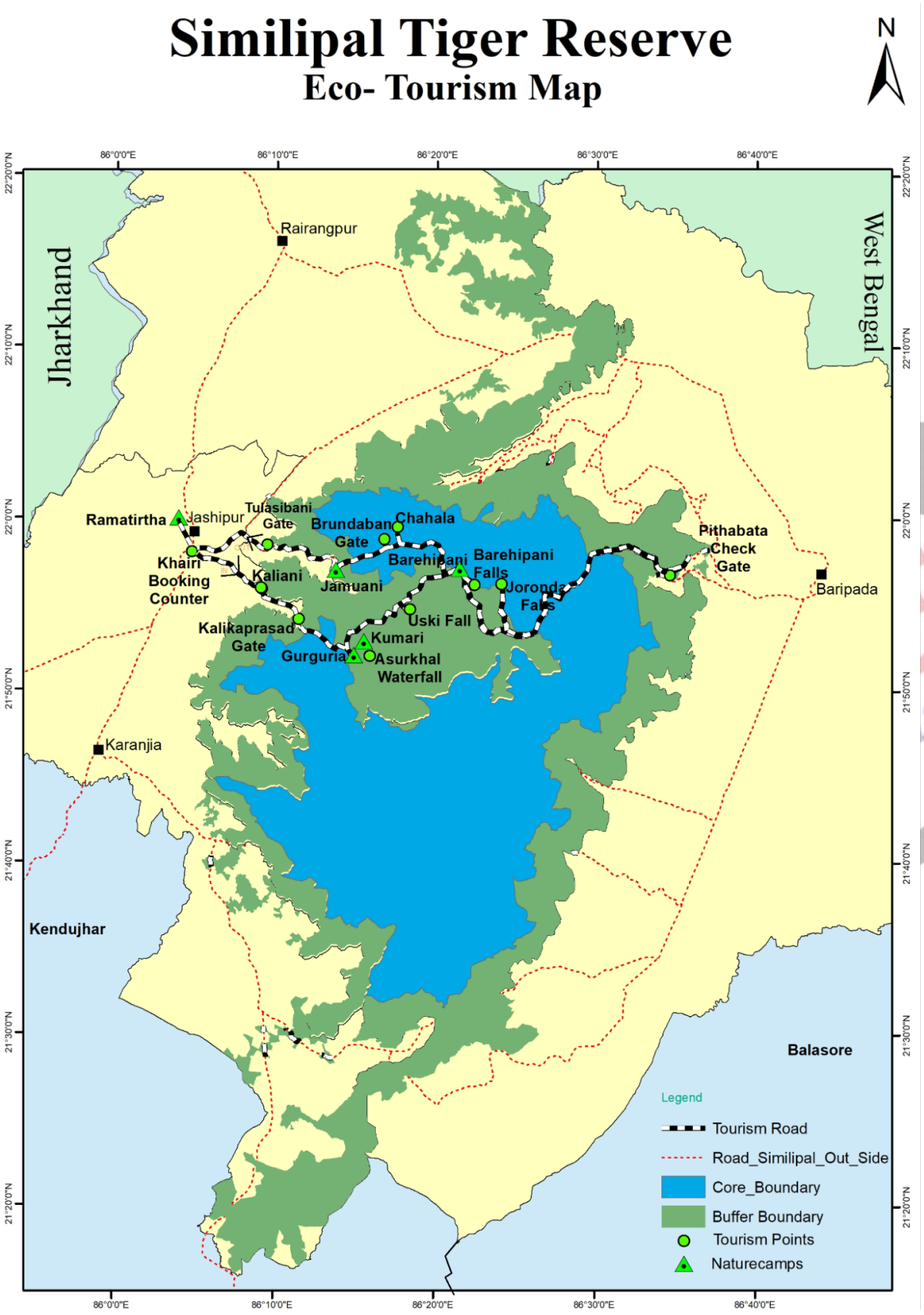

और पढ़ें: [दुरलभ मेलानसिटकि बाघ]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/similipal-national-park